हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

11 ब्रह्मा बाबा का जीवन त्याग, तपस्या और सेवा का था ...

12 नेशनल पावरलिफ्टिंग इंडिया कप में बहादुरगढ़...

खबर संक्षेप

दुल्हेड़ा में प्रशासन का रात्रि ठहराव आज

बहादुरगढ़। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह आयोजित किए जाने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन इस बार सोमवार 19 जनवरी को बहादुरगढ़ खंड के गांव दुल्हेड़ा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जाएगा। एसडीएम अभिनव सिवाच ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल करेंगे। डीसी ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

फाटक पर टैंकर चालक से मारपीट, केस दर्ज

बहादुरगढ़। निजामपुर फाटक पर एक टैंकर चालक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो युवकों ने उसकी आंख व मुंह पर गंभीर चोटें मारकर उसे बुरी तरह घायल कर दिया।

लाइनपार के शास्त्री नगर निवासी सादा ने बताया कि वह पानी का टैंकर सप्लाई कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। वह 11 जनवरी की रात करीब सवा 9 बजे निजामपुर फाटक बंद होने के कारण अपने टैंकर सहित खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आई एक कार चालक ने जल्दबाजी में टैंकर के आगे फाटक पर गाड़ी लगा दी। विरोध करने पर कार से दो युवक उतरे और बिना किसी बात के उसके साथ गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। युवकों ने कार की चाबी से उसके मुंह व आंख पर जोरदार वार किए।

फैक्ट्री के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

बहादुरगढ़। थाना लाइनपार क्षेत्र में दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। दिल्ली के निठारी निठारी निवासी मनोज कुमार यादव शहर के छोटूराम नगर में रहता है। उसने 7 जनवरी को अपनी मोटरसाइकिल फैक्ट्री के बाहर गली में खड़ी की और अंदर काम करने चला गया। जब वह वापिस लौटा तो मोटरसाइकिल मौके पर नहीं मिली। शिकायत के आधार पर थाना लाइनपार बहादुरगढ़ पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कमरे से 10 हजार रुपये लेकर भागे

बहादुरगढ़। शहर के विवेकानंद नगर में बाइक सवार दो आरोपी एक कमरे में रखे 10 हजार रुपए लेकिन भाग गए। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मूल रूप से बिहार के नालंदा निवासी गुरिया देवी सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में काम करती है। वीरवार को वह अपने बच्चों के साथ छत से नीचे उतर रही थी, तो देखा कि 2 लोग उसके कमरे से निकल कर भाग रहे हैं। उसने कमरे में जाकर देखा तो 10 हजार रुपए गायब थे। दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

गांव दादरी तोए में प्रवासी श्रमिक ने फंदा लगाया

झज्जर। क्षेत्र के गांव दादरी तोए में एक प्रवासी श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा उसके सहयोगियों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान मूल रूप से यूपी के गांव जलालपुर निवासी महेश पुत्र नन्नू सिंह के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार महेश यहां दादरी तोए क्षेत्र में पिछले कई दिनों से दिहाड़ी-मजदूरी का कार्य करता था। उसने फांसी किस कारण लगाई इस बात का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इत्तिफाकिया कार्रवाई करते शव परिजनों को सौंप दिया गया।

76 कॉलेजियम और 13 संस्थापक सदस्य पहले ही चुने जा चुके हैं निर्विरोध

छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के 16 कॉलेजियम सदस्य चुने

- शहर के डीएवी स्कूल में 16 कॉलेजियम वार्डों का चुनाव संपन्न हुआ
- 23 मई 2015 को पिछली बार सोसायटी की कार्यकारिणी हुई थी गठित
- स्टेट रजिस्ट्रार ने 30 नवंबर 2017 के फैसले में चुनाव को कर दिया था रद्द
- 105 सदस्य पदाधिकारियों समेत कार्यकारिणी का चुनाव एक मार्च को करेंगे

बहादुरगढ़। मतदान के दौरान हुए विवाद को निपटाते आरओ व नायब तहसीलदार और जीत के बाद विजयी चिह्न बनाकर खुशी जताते कॉलेजियम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

करीब एक दशक के बाद शहर की दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के चुनाव हुए। रविवार को शहर के डीएवी स्कूल में 16 कॉलेजियम वार्डों का चुनाव संपन्न हुआ। संस्था के 13 संस्थापक सदस्य पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। 92 कॉलेजियम सदस्यों में से 76 सदस्य निर्विरोध चुने गए थे। जबकि शेष 16 का रविवार को चुनाव हुआ। अब ये 105 सदस्य पदाधिकारियों समेत कार्यकारिणी का चुनाव एक मार्च को करेंगे।

- 76 वार्डों से एक ही सदस्य ने फार्म भरा इसलिए वे भी निर्विरोध चुने
- 17 मई 2016 को अदालत में दायर की थी याचिका

विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए

रविवार को दीनबंधु सर छोटूराम धर्मशाला सोसायटी के 16 कॉलेजियम वार्डों का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। वार्ड वार्ड 7 से प्रदीप लडरावन, वार्ड 19 से प्रवीन छिल्लर, वार्ड 23 से पत्रकार प्रवीन धनखड़, वार्ड 21 से अनिल गुलिया, वार्ड 27 से धर्मपाल तहलान, वार्ड 28 से तेजपाल राठी, वार्ड 29 से कपूर राठी, वार्ड 30 से संदीप राठी, वार्ड 35 से संदीप हुड्डा, वार्ड 37 से बिजेंद्र दलाल, वार्ड 53 से सुनील दलाल, वार्ड 54 से प्रदीप तहलान, वार्ड 60 से गुलाब छिकारा, वार्ड 62 से प्रदीप लडरावन, वार्ड 88 से श्रीओम ठेकेदार और वार्ड 91 से मुकेश दलाल ने जीत हासिल की है। निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम ने मतगणना उपरांत विजेताओं की घोषणा के साथ प्रमाण पत्र भी दे दिए।

कई साल से एसडीएम संभाल रहे थे दायित्व

23 मई 2015 को पिछली बार सोसायेओ की कार्यकारिणी गठित हुई थी। इसके विरुद्ध 17 मई 2016 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। स्टेट रजिस्ट्रार ने अपने 30 नवंबर 2017 के फैसले में प्रधान सज्जन दलाल के नेतृत्व वाले चुनाव को रद्द कर दिया था। इसके बाद मामला अदालतों और सरकारी दफ्तरों में चक्कर काटता रहा। बीते कई सालों से एसडीएम धर्मशाला के प्रशासक का दायित्व संभाल रहे हैं। एडहॉक कमेटी बनाकर दैनिक कार्यों का निपटान किया जा रहा है। लेकिन अब तमाम अवरोध हटने के बाद चुनावों की प्रक्रिया जारी है। निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 13 जीवंत संस्थापक सदस्य संविधान के अनुसार निर्विरोध निर्वाचित हुए। शेष 92 कॉलेजियम के लिए नामांकन में 76 वार्डों से एक ही सदस्य ने फार्म भरा तो वे भी निर्विरोध चुने गए। शेष 16 सदस्यों के लिए मतदान सेक्टर-6 स्थित डीएवी स्कूल में संपन्न हुआ। अब ये 105 सदस्य एक मार्च को पदाधिकारियों समेत कार्यकारिणी चुनेंगे।

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरुक करते हुए स्वयंसेवक।

ग्रामीणों को रैली निकाल बताए नशे के दुष्परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- राजकीय महाविद्यालय दूबलधन में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन योगाभ्यास करवाया

राजकीय महाविद्यालय दूबलधन में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत स्वयंसेवकों द्वारा योगाभ्यास से की गई। एनएसएस प्रभारी डॉक्टर रणदीप व डॉक्टर सरला ने बताया कि योगाभ्यास के बाद स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति विषय पर स्लोगन लिखे। इस दौरान स्वयंसेवकों द्वारा नशा मुक्ति विषय पर एक जागरुकता रैली निकाली।

स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर जागरूक किया

उन्होंने गांव में घर-घर पहुंच कर ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्हें भी नशे से दूर रहने के लिए जागरुक किया। सायंकालीन सत्र में एमडीयू से एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर प्रीति शर्मा ने व्याख्यान के दौरान स्वयंसेवकों को व्यक्तित्व विकास, कैरियर चुनाव एवं एनएसएस के महत्व बारे विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मेडिटेशन कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को ध्यान लगाकर मन के समस्त विकारों को दूर करने के लिए भी प्रेरित किया गया। प्राचार्य डॉक्टर कर्मवीर ने अपने संबोधन में कहा कि एनएसएस एक ऐसा माध्यम है, जो स्वयंसेवकों को स्वस्थ जीवन, समाज सेवा एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के मार्ग पर अग्रसर करता है।

ठेका कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बने लोकेश शर्मा

- जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सुहाग की अध्यक्षता में की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के उपरांत उपस्थित ठेका कर्मचारी संघ के सदस्य एवं पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

वित्तीय संस्थान ठेका कर्मचारी व झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक कर्मचारी संघ की बैठक रविवार को तलाव रोड स्थित सिंचाई भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सुहाग ने की जबकि प्रदेश महामंत्री नरेंद्र वशिष्ठ ने मुख्यातिथि व प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय शर्मा ने विशिष्टातिथि के रूप में शिरकत की।

नरेंद्र वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा कर्मचारी संगठन है, जो राष्ट्र हित, उद्योग हित और कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखकर कार्य करता है। उन्होंने संगठन की नीति, अनुशासन और एकजुटता पर बल देते हुए कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस दौरान वित्तीय संस्थान ठेका कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में पंडित लोकेश शर्मा को जिलाध्यक्ष, राहुल अहलावत को महासचिव, सिद्धार्थ एवं शकुंतला देवी को उपाध्यक्ष, दीपक दलाल एवं सीमा देवी को सह सचिव, अरुण कुमार को कोषाध्यक्ष तथा सुरेश कुमार को प्रेस प्रवक्ता नियुक्त किया गया। बबीता देवी, जितेंद्र, युद्धवीर सिंह, अनूप कुमार, अशोक कुमार व सुंदर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष लोकेश शर्मा ने कहा कि वे जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएंगे।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर बीएमएस के पूर्व प्रदेश मंत्री प्रदीप गोच्छी, रितु, सावित्री, नीतू, सीमा शर्मा, राकेश, सुखबीर, भूप सिंह, शीतल देवी, सुमित कुमार, रेखा दलाल, अमित गुलिया, मुकेश, रीना गुलिया, पिंकी देशवाल, ममता, जगजीत सिंह, महेश दलाल, अमित दलाल, दर्शना, वंदना पाठक, दीपक, धर्मजीत, कमलेश, नवीन कुमार, मुकेश चाहर, संदीप चाहर, तकदीर, रेखा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

जानलेवा हमले के आरोपी को दस घंटे में किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवॉल्वर, तीन खाली खोल और 9 जिंदा कारतूस बरामद किए

पुलिस चौकी मांडोठी की टीम ने जानलेवा हमले के एक मामले में आरोपी को महज 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी मोहित कुमार ने बताया कि घायल सतेंद्र निवासी गांव घिलौड़ कलां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। सतेंद्र भापड़ोदा के सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद के कार्यालय पर दलजीत, मासूम, सागर, गौरव और प्रमोद के गनमैन संदीप के साथ बैठा था। इसी दौरान संदीप और दलजीत के बीच कहासुनी हो गई। स्थिति को संभालने के लिए सतेंद्र और सागर ने संदीप को पकड़कर एक कमरे में बंद कर दिया। इससे नाराज संदीप गालियां देने लगा। जब सतेंद्र और सागर कमरे के गेट के सामने खड़े थे, तभी संदीप ने जान से मारने की नीयत से अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से तीन गोलियां चला दीं। इनमें से एक गोली सतेंद्र के पैर में और दूसरी गोली सागर के पैर में लगी। दोनों घायलों को तुरंत पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम ने 10 घंटे के भीतर आरोपी संदीप निवासी हिसार को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवॉल्वर, तीन खाली खोल और 9 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

ग्रेप-4 की पाबंदियों पर प्रशासन सख्त

निर्माण, तोड़फोड़ कार्यों पर रोक, टीमें कर रही निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशानुसार ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चौथे चरण की पाबंदियां लागू हो गई हैं। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि ग्रेप-4 का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को त्वरित रूप से नियंत्रित करना तथा आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें, उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करें तथा आवश्यक नियंत्रणात्मक कदम प्रभावी रूप से लागू करें।

एंटी-स्मॉग गन का प्रयोग

उन्होंने बताया कि ग्रेप चार के चलते जिला में निर्माण, तोड़फोड़ कार्यों पर रोक रहेगी व सीमेंट, रेत, फ्लाई ऐश जैसी निर्माण सामग्री की वाहनों में आवाजाही बंद रहेगी। वहीं सड़कों की साफ सफाई मशीनों से करनी होगी। सड़कों व पेड़ों पर पानी का छिड़काव व एंटी-स्मॉग गन का उपयोग बढ़ाना होगा। कचरा जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। डीसी ने कहा कि विशेषकर बच्चे, बुजुर्ग व अस्वस्थ व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग व वैकल्पिक साधनों का अधिक उपयोग करें। आमजन निजी वाहनों का प्रयोग कम करें। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों व एडवाइजरी का पालन करें। नागरिक प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें, ताकि वायु गुणवत्ता में शीघ्र सुधार लाया जा सके।

लेखक सुमेर सिंह करीब 18000 से अधिक प्रतियां लोगों में निःशुल्क बांट चुके

गीता के सार की हिंदी दोहा छंद में अनुवादित पुस्तक की वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रसिद्ध महाकाव्य संपूर्ण गीता का हिंदी दोहा छंद में अनुवाद करने वाले सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुमेर सिंह यादव ने रविवार को शहर के भगत सिंह चौक पर पहुंच कर प्रबुद्धजनों में अनुवादित पुस्तक की प्रतियां वितरित की। यादव महासभा के पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा के कार्यालय पहुंच कर सुमेर सिंह ने कहा कि श्रीमद् भगवत गीता संस्कृत में होने के कारण उसका प्रसार विश्व भर में नहीं हो पाया। इसलिए उनके मन में विचार आया कि क्यों न इसे हिंदी में रूपांतरित कर दिया जाए। इसके बाद उन्होंने इसी उद्देश्य को लेकर गीता के श्लोकों को हिंदी दोहा छंद में रूपातंरित करते हुए पुस्तक लिखी, जिससे इस महाकाव्य में बताई गई लोगों को सहज समझ में आ सके।

आसान भाषा में महाकाव्य का ज्ञान देना लक्ष्य

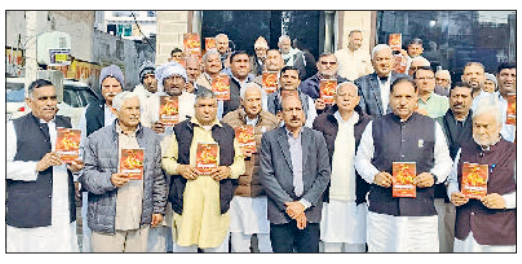

मूल रूप से रेवाड़ी जिले के गोलियाका निवासी करीब 75 वर्षीय सुमेर सिंह ने बताया कि वे अब तक अपनी पुस्तक की करीब 18000 से अधिक प्रतियां लोगों में निःशुल्क वितरित कर चुके हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्र के युवा उनकी लिखा गई पुस्तक के माध्यम से आसान भाषा में समझकर महाकाव्य में दिए गए ज्ञान को अपनी जीवन में उतारें। इस मौके पर यादव महासभा के प्रधान राम अवतार यादव, देवेंद्र यादव, राव उदयभान, संतराम नंबरदार सुभाष गुर्जर, सूरजभान जाखड़, सेवानिवृत्त प्राचार्य एचएस यादव, गजराज सिंह, कालूराम सहित अन्य मौजूद रहे।

घटता जल स्तर व अत्यधिक जलकुंभी बनी कारण

भिंडावास झील से भंग हो रहा विदेशी परिंदों का मोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रामसर साइट में शामिल जिले की भिंडावास झील का जलस्तर घटने के कारण यहां प्रवास के लिए आने वाले विदेशी परिंदों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। प्रवासी पक्षी विशेषज्ञ डॉक्टर टीके राय ने बताया कि झील में अत्यधिक मात्रा में जलकुंभी फैलने और जलाशय के सूखने के कारण विदेशी प्रवासी पक्षियों आवागमन घट रहा है।

भिंडावास आर्द्र भूमि प्रवासी पक्षियों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जाती है।

इसी कड़ी में हर वर्ष जनवरी माह में आयोजित होने वाली एशियन वाटर बड्र्स सेंसस के अंतर्गत इस वर्ष भी एडब्ल्यूबीसी 2026 कार्यक्रम का आयोजन जलीय पक्षियों की गणना की गई।

52 प्रजातियों के 9483 पक्षी पहुंचे

उन्होंने बताया कि इस वर्ष की जनगणना में भिंडावास प्रवासी पक्षी संरक्षण स्थल पर 52 प्रजातियों के कुल 9,483 जलीय पक्षी दर्ज किए गए। इनमें 27 प्रजातियां स्थानीय तथा 25 प्रजातियां विदेशी मूल की पाई गईं। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम है। बता दें कि हर वर्ष सर्दियों के मौसम में साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप से हजारों प्रवासी पक्षी यहां भिंडवास झील पहुंचते हैं। ये पक्षी लगभग तीन से चार महीने यहां प्रवास करने के बाद फरवरी से मार्च तक अपने मूल स्थानों पर पलायन कर जाते हैं। हरियाणा जैव विविधता संरक्षण बोर्ड, रोहतक की जिला समन्वयक कुसुम शर्मा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण इस वर्ष पक्षियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। जलाशयों के सूखने से प्रवासी पक्षियों के ठहराव और भोजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पिछली गणना में जहां जलीय पक्षियों की संख्या 4–5 लाख तक थी, वहीं इस बार यह घटकर लगभग 3 लाख रह गई है। उन्होंने बताया कि यह गणना एशिया के 27 देशों में एक साथ की जाती है, जिसके आधार पर संरक्षण नीतियां तैयार की जाती हैं।

आज जिला व उपमंडल स्तर पर लगेंगे शिविर

- उपमंडल स्तर पर एसडीएम सुनेंगे लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसी झज्जर।

जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा। जिसमें उपायुक्त आमजन की समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में संबंधित एसडीएम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे।

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

- मुंशी प्रेमचंद

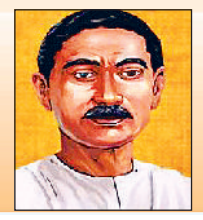

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

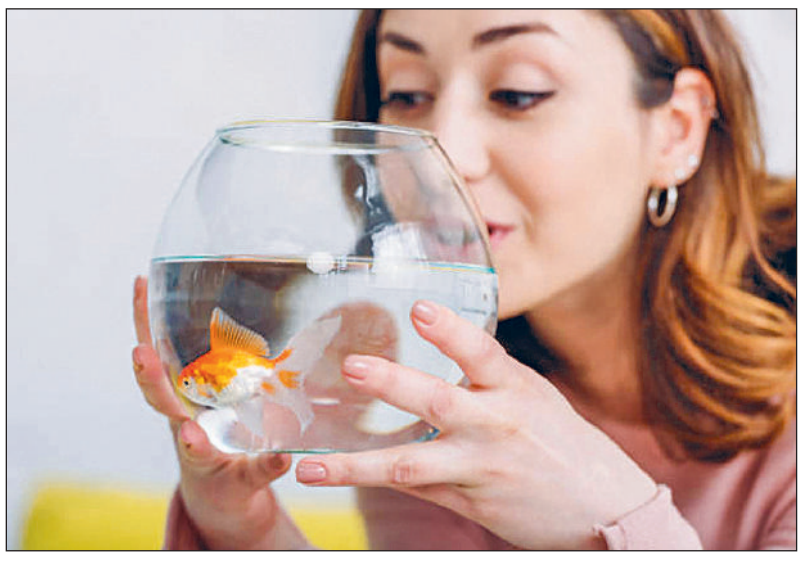

अकेलेपन का दंश

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे जमीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह जरूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

मंथन कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:*कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगे*तुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे*यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बावल। कसोला थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत वर्ष 24 नवंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने जमीन पर कब्जा करने की नियत से हमला करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने पुन्सिका निवासी कृष्ण और ठोठवाल निवासी रवि को काबू किया है। एक ट्रैक्टर भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर 15 जनवरी को हुए हादसे के आरोपी ट्रॉला चालक को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में नूंह के कोटा खंडेवला निवासी चालक बलबीर को गिरफ्तार कर लिया। उसका ट्रॉला भी पुलिस ने कब्जे में लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सुसाइड केस का आरोपी जेल भेजा

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस राजीव नगर धक्का बस्ती में नाबालिग सुसाइड केस के आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। कॉलोनी में रहने वाली नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने उसके मां के बयान पर आरोपी सानू के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इसमें दुष्कर्म की धारा भी शामिल है। पुलिस ने आरोपी सानू को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

विपिन सुसाइड केस में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल थाना पुलिस ने गत वर्ष 1 अक्टूबर को दर्ज आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विपिन गोयल के सुसाइड करने के मामले में मॉडल टाउन निवासी प्रेम नारायण और उसकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया था। दोनों ने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें प्रेम की पत्नी को जमानत मिल गई थी।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ति करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में मिली शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के बाद पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था।

हाइवे के डिवाइडर पर चढ़ी गाड़ी

रेवाड़ी। रविवार सुबह जैसलमेर नेशनल हाइवे पर खोरी के पास एक पिकअप गाड़ी डिवाडर पर चढ़ गई। तुरंत कंट्रोल कर लिए जाने के कारण हादसा टल गया। नारनौल के नूनी निवासी सूबेसिंह पिकअप गाड़ी लेकर रेवाड़ी से नारनौल की ओर जा रहा था। जब गाड़ी खोरी फ्लाईओवर से नीचे उतरी, तो संतुलन बिगड़ने के कारण डिवाइडर पर चढ़ गई।

बुड़ोली में जागरण व भंडारा 20 को

रेवाड़ी। गांव बुड़ोली में ग्रामवासियों की ओर से शैय्यद बाबा के स्थान पर जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बताया कि 20 जनवरी को सुबह बाबा के जागरण का आयोजन होगा, जिसमें जागरण पार्टी रामकुमार उर्फ सुंडा राम बाबा की महिमा का गुणगान करेगी। इसके बाद श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मौजूद सभी साधकों ने बाबा के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर उनके समान संपूर्ण फरिश्ता बनने की प्रतिज्ञा ली

ब्रह्माकुमारी केंद्रों पर मनाया ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस

ब्रह्मा बाबा का जीवन त्याग, तपस्या और सेवा का था जीवंत उदाहरण

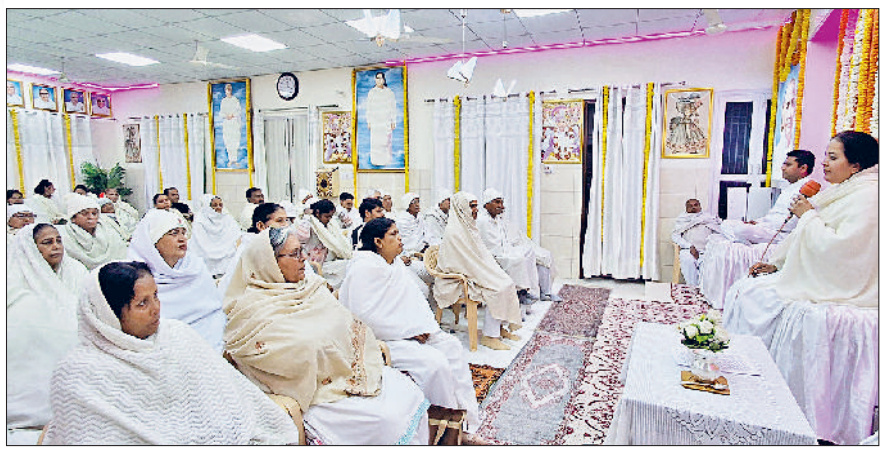

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में बाबा के किस्से सुनाती बीके अमृता दीदी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बहादुरगढ़ स्थित सभी सेवा केंद्रों पर संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का पावन स्मृति दिवस अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया गया। अग्रवाल कॉलोनी, सेक्टर-2, सेक्टर-13, नई बस्ती, ओमेक्स, सेक्टर-9 और किला मोहल्ला सहित सभी केंद्रों पर विशेष योग साधना और गोष्ठियों का आयोजन हुआ। साधकों ने बाबा के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर उनके समान संपूर्ण फरिश्ता बनने की प्रतिज्ञा की। मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी अंजलि दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा का जीवन त्याग, तपस्या और सेवा का जीवंत उदाहरण था। उन्होंने सभी को अव्यक्त फरिश्ता बनने की शिक्षा देते हुए बताया कि हम अपने स्वभाव और संस्कारों को सरल बनाकर आध्यात्मिक ऊंचाइयों को छू सकते हैं। बीके विनीता दीदी ने बाबा के जीवन की मर्मस्पर्शी और हृदयस्पर्शी कहानियां सुनाईं। बाबा की निस्वार्थ सेवा भावना पर प्रकाश डाला। बीके अमृता दीदी ने ब्रह्मा बाबा के जीवन के प्रेरणादायक किस्से सुनाते हुए बताया कि विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहने के तरीके समझाए।

- स्वभाव को सरल बनाकर युवा छू सकते है अध्यात्मिक ऊंचाई

बुराईयों को त्यागने का संकल्प

बीके रेणु दीदी ने बताया कि बाबा की विशेष धारणाओं को जीवन में उतारकर हर कोई बाबा के समान संपूर्ण बन सकता है। सभी उपस्थित सदस्यों ने बुराइयों को त्यागने और ईश्वरीय ज्ञान को जीवन में धारण करने का संकल्प लिया।

बहादुरगढ़। महायोगी सिद्धबाबा महाराज का आशीर्वाद लेती चेयरपर्सन सरोज राठी।

नेपाल से आए महायोगी का लिया आशीर्वाद

बहादुरगढ़। महासंक्रांति के पावन अवसर पर चतरा धाम (नेपाल) से अनंत विभूषित जगद्गुरु महायोगी सिद्धबाबा महाराज शहर के सेक्टर-6 निवासी सोमदत्त शर्मा के आवास पर पहुंचे तो असंख्य श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए पहुंचे। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी महाराज के दर्शन किए और उनसे आशीर्वाद लिया। सोमदत्त शर्मा ने बताया कि महाराज के सानिध्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहादुरगढ़ में तीन भव्य साधना शिविरों का आयोजन हो चुका है। जिनमें हजारों साधकों ने भाग लेकर साधना के माध्यम से आत्मिक उन्नति का मार्ग अपनाया। चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी, रमेश राठी, पार्षद ज्योति रोहिल्ला, रानी सोलंकी, संतोष राठी, पवन रोहिल्ला, राजेश राठी आर्य, महेश वशिष्ठ, सुनील पारीक, मदन तिवारी, प्रवीण पारीक, दयानंद शर्मा, प्रेम शर्मा, तृप्ता खंडेलवाल, कन्हैया खंडेलवाल तथा अभिनव शर्मा आदि ने महाराज से आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। राजीव शर्मा व राजेश राठी द्वारा उन्हें शाल भेंट की गई। इस अवसर पर नित्यानंद मुद्गल, श्याम सुंदर गुप्ता, सतवीर राठी, नवीन, लाला गोयल, रमेश मिस्त्री, विकास दलाल, विक्रम, पंकज बत्रा आदि मौजूद थे।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को विकास कार्यों की जानकारी देते विधायक राजेश जून।

ग्रामीणों को गिनवाई एक साल की उपलब्धियां

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने गांव बराही व बामडोली में वार्षिक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को बीते एक वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी और गांवों की मौजूदा समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। जनसंपर्क अभियान के दौरान विधायक राजेश जून ने कहा कि क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि विकास से जुड़ी जो भी मांगें सामने आई हैं, उन्हें आगामी बजट में पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। इससे पहले ग्रामवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। विधायक राजेश जून ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी व निष्ठा से क्षेत्र के विकास व समस्याओं के समाधान में जुटे हुए हैं, ताकि हर वर्ग को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। सीएम नायब सिंह सैनी का विशेष आशीर्वाद बहादुरगढ़ विधानसभा पर बना हुआ है। जिसके चलते पिछले एक वर्ष में क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति मिली है और आने वाले समय में यह रफ्तार तेज होगी। वे जनसंपर्क अभियान के माध्यम से जनता को एक साल में किए गए विकास कार्यों की जानकारी दे रहे हैं और आगामी बजट में गांवों की प्राथमिक जरूरतों को शामिल करवा रहे हैं।

- विधायक जून ने ग्रामवासियों से किया सीधा संवाद

मिस्ड कॉल, एआई-सहायक व ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आमजन दे सकता है बजट सुझाव

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की प्रक्रिया में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार का मत है कि बजट जनहित, विकास प्राथमिकताओं और नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो। इसी उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक नागरिक को अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि नागरिक 7303350030 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर या एआई सहायक व ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 31 जनवरी तक अपनी राय दर्ज करा सकते हैं।

स्टेडियम में चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सांखोल स्टेडियम में सफाई करते समिति सदस्य व ग्रामीण।

रविवार को गांव सांखोल के स्टेडियम में सफाई अभियान चलाया गया। संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति और गांव के युवा खिलाड़ियों द्वारा खेल स्टेडियम से लगभग 100 किलो कचरा एकत्र किया गया। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक सबसे ज्यादा था। सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार ने बताया कि सभी ग्रामवासियों को स्वच्छता का कड़ाई से पालन करना चाहिए। सभी खिलाड़ियों को भी खेल मैदान का ध्यान रखना चाहिए। समिति प्रधान संजय कलसन ने बताया कि यह स्टेडियम सभी गांव वालों का सपना है, जिसकी सफाई की जिम्मेदारी हम सभी की है। जगपाल राठी ने बताया कि बढ़ते प्लास्टिक प्रयोग से सफाई व्यवस्था बनाए रखना एक चुनौती बन चुका है। अंत में सभी खिलाड़ियों और ग्रामवासियों ने स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली।

नाम मेरी राधा रानी का सदा देता सहारा है..भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▸▸ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान भजनों की प्रस्तुति देते हुए मिनाक्षी वृंदावन।

प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में राधा नाम संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हारे के सहारे मित्र मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मिनाक्षी वृंदावन ने भजनों की प्रस्तुति दी। पुजारी विनय तिवारी ने बताया कि पांचवे श्री श्याम मासिक संकीर्तन में सुंदरकांड पाठ, गणेश स्तुति से संकीर्तन की शुरुआत हुई। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे गुबारों से सजया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। संकीर्तन में मिनाक्षी वृंदावन ने भजन नाम मेरी राधा रानी का जिस जिस ने गाया है, बांके बिहारी ने उसे अपना बनाया है, जय राधे श्री राधे बोलो जय राधे..नाम मेरी राधा रानी का सदा देता सहारा है, तू भी एक बार जप ले यह नाम बड़ा प्यारा है..सहित एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

- पांचवे मासिक संकीर्तन में भक्तिमय हुआ मंदिर

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत फिजिकल वेरिफिकेशन आज

झज्जर। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत झज्जर में आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब लाभार्थियों के फिजिकल वेरिफिकेशन का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। योजना के अंतर्गत जिन पात्र आवेदकों ने अब तक अपना फिजिकल वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें नगर परिषद प्रशासन की ओर से सोमवार और मंगलवार को सत्यापन के लिए अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत झज्जर में कुल 407 लाभार्थियों ने फ्लैट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। इनमें से अब तक 235 आवेदकों का फिजिकल वेरिफिकेशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जबकि 134 आवेदकों का सत्यापन अभी शेष है।

थानों में रेनू और निशा ने करवाया सूर्य नमस्कार

बहादुरगढ़। थाने में पुलिसकर्मियों को सूर्य नमस्कार करवाती रेनू व निशा। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। आयुष विभाग के अंतर्गत जिला योग संयोजक डॉ. पवन देशवाल के निर्देशानुसार योग सहायिका रेनू सिंधु और निशा ने बहादुरगढ़ सदर थाना, सिटी थाना व ट्रैफिक थाना में तैनात पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय प्रोग्राम के तहत विभिन्न योग संस्थाओं द्वारा 12 जनवरी से लेकर 12 फरवरी तक सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। नेताजी नगर यूपीएचसी में तैनात निशा और नूना माजरा पीएचसी में तैनात रेनू सिंधू बुपनिया व्यायामशाला में योग सिखाती हैं।

श्रीभद भागवत महापुराण कथा 25 जनवरी से

झज्जर। शहर के पुरानी तहसील रोड स्थित सुनारों वाली धर्मशाला एवं मंदिर में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर धर्मशाला के महंत हरिपुरी महाराज ने बताया कि कथा के शुभारंभ अवसर पर कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा 31 जनवरी तक चलने वाली इस कार्यक्रम में कथा वाचक आचार्य उपेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा श्रद्धालुओं को नियमित दोपहर दो बजे से सायं पांच बजे तक कथा सुनाई जाएगी।

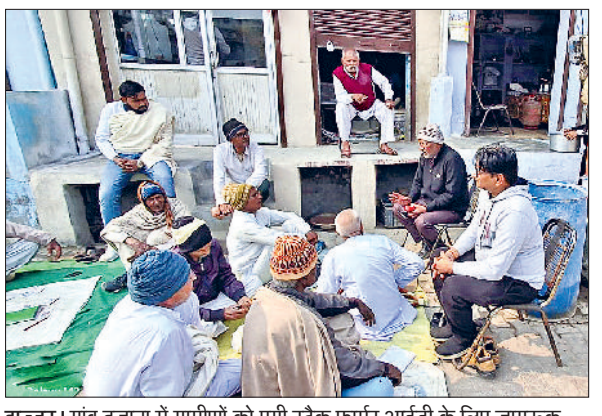

झज्जर। गांव दुजाना में ग्रामीणों को एग्री स्टैक फार्मर आईडी के लिए जागरूक करते हुए कृषि विभाग के अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

एग्री स्टैक फार्मर आईडी अभियान तेज, अवकाश के दिन भी बनाई फार्मर आईडी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ झज्जर

सरकार की डिजीटल पहल एग्री स्टैक के तहत किसानों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों ने विशेष अभियान चलाते हुए किसानों की एग्री स्टैक फार्मर आईडी जेनरेट की। एसडीएम अंकित कुमार चौकसे ने बताया कि रविवार यानी अवकाश के दिन आयोजित किए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को सुविधा प्रदान करना रहा ताकि कार्य दिवसों में व्यस्त रहने वाले किसान भी इस महत्वपूर्ण पहल से जुड़ सकें। कृषि विभाग के अधिकारियों ने गांवों में किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने किसानों से भी अपील करते हुए कहा कि वे समय निकालकर अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं।

- फार्मर आइडी से किसानों को मिलेगा सभी सरकारी सेवाओं का लाभ

कार्यक्रम जैन समाज ने पहली बार निकाली भव्य पालकी यात्रा

श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर दिया अहिंसा, संयम और करुणा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बहादुरगढ़

प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस के पावन अवसर पर रविवार को समस्त जैन समाज द्वारा पहली बार पालकी यात्रा निकाली गई। प्रथम पालकी यात्रा संत कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर से शुरू हुई। फिर जटवाड़ा मौहल्ला स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर, अनाज मंडी स्थित पांडुकशिला और अग्रवाल कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर होते हुए वापिस संत कॉलोनी में संपन्न हुई।

पालकी यात्रा में राजीव जैन, नरेंद्र जैन, अरुण जैन, दीपक जैन, मुनीष जैन, अमांशु जैन, पवन जैन, डॉ. पंकज जैन, योगेश जैन, सुधीर जैन, अरविंद जैन, संजय जैन, विजय जैन, डॉ. अजय जैन, सुनील जैन, अश्वनी जैन, सुशील जैन, अभिनंदन जैन समेत अनेक लोगों ने भाग लिया। श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ पालकी यात्रा संपन्न हुई।

बहादुरगढ़। रविवार को प्रथम पालकी यात्रा निकालते जैन समाज के अनुयायी। *फोटो: हरिभूमि*

पालकी यात्रा के दौरान जैन समाज के अनुयायी भक्ति भाव से भगवान आदिनाथ के जयकारे लगाते हुए नगर भ्रमण पर निकले। वातावरण पूर्णतः धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। डॉ पंकज जैन ने बताया कि श्री आदिनाथ भगवान का जीवन सत्य, अहिंसा, तप और संयम का अनुपम संदेश देता है। जैन समाज ने सदैव राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मनाई मौनी अमावस्या

रेवाड़ी। शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने रविवार को मौनी अमावस्या पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। हिंदू पंचांग के अनुसार माघ मास की अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या होती है। सभी अमावस्याओं में मौनी अमावस्या का विशेष स्थान है। हिंदू धर्म में माघ मास को बेहद पवित्र और शुभ माना जाता है। माघ के महीने में स्नान, दान और पूजा-पाठ का विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि मौनी अमावस्या काफी पुण्यदायी मानी जाती है। श्रद्धालुओं ने सूर्योदय होते ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें डालकर हर-हर गंगे का उच्चारण करते हुए स्नान किया और शहर के विभिन्न मंदिरों में जरुरतमंदों, गरीबों व साधु-संतों को दान भी दिया।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर बैग से 24 बोतल शराब बरामद

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक लावारिस ट्रॉली बैग से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़ पर अपराध रोकथाम के संबंध में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर बाथरूम के निकट बेंच के नीचे एक नीले रंग का ट्रॉली बैग लावारिस हालत में मिला। काफी देर तक निगरानी व पूछताछ के बाद भी जब कोई दावेदार सामने नहीं आया तो पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में बैग को खोलकर जांच की। जांच में बैग के अंदर रॉयल स्टैग प्रीमियर व्हीस्की ब्रांड की 24 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुईं। एक बोतल को नमूना के तौर पर अलग कर शेष 23 बोतलों को सबूत के रूप में सील कर पुलिस कब्जे में लिया गया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा तस्करी की नीयत से शराब रखने के आरोप में आबकारी अधिनियम की धारा 61/4/20 के तहत मामला दर्ज किया है।

निजी बस संचालकों पर नकेल कसने की मांग

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला कमेटी सदस्य रामकिशन और सतबीर सिंह बल्हारा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने न तो बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाई और न ही प्राइवेट बसों में किराए में मिलने वाली छूट का प्रावधान लागू करवाया। इस तरह बुजुर्ग नागरिकों पर दोहरी मार पड़ रही है। उन्होंने कहा कि निजी बस संचालकों द्वारा सरकारी नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए बुजुर्गों व छात्र-छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। संगठन ने इस संवेदनहीन व्यवहार को तत्काल रोकने और उनसे नियम अनुसार आधा किराया लेने का आग्रह किया।

अवैध देसी पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस के साथ काबू

बहादुरगढ़। थाना शहर पुलिस ने गश्त व पड़ताल के दौरान अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार बादली रोड से बालौर रोड के रास्ते में एक युवक पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने उसे काबू किया। गांव भदानी निवासी राहुल की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल बरामद हुई। पिस्तौल की मैगजीन चेक करने पर उसमें दो जिंदा कारतूस भी मिले। राहुल के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1बी)(ए), 54, 59 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छिल्लर हेल्थ क्लब के पावरलिफ्टरों ने 3 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीते

नेशनल पावरलिफ्टिंग इंडिया कप में बहादुरगढ़ के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया

चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक पावरलिफ्टरों ने हिस्सा लिया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पदक विजेता पावरलिफ्टरों को सम्मानित करते आयोजक।

सोनीपत में आयोजित नेशनल पावरलिफ्टिंग इंडिया कप में बहादुरगढ़ के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया। छिल्लर हेल्थ क्लब के पावरलिफ्टरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीते। इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक पावरलिफ्टरों ने हिस्सा लिया था।

नेचुरल स्ट्रांग पावरलिफ्टिंग फेडरेशन इंडिया द्वारा आयोजित इस नेशनल डेडलिफ्ट, बेंच प्रेस और स्क्वाट प्रतियोगिता में बहादुरगढ़ के पावरलिफ्टरों ने 7 पदक जीते। स्थानीय खेल प्रेमियों ने इन खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया। क्लब के संचालक और नेशनल चैंपियन युवराज छिल्लर ने मास्टर वर्ग (90 किलो भारवर्ग) में 130 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। विराज अंतिल ने 40 किलो भारवर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण जीता। अरविंद पाल ने जूनियर वर्ग (60 किलो भारवर्ग) में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तिजेंद्र सिंह राठी ने डेडलिफ्ट (110 किलो भारवर्ग) में 160 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता। रूप किशोर शर्मा (कोच) ने सीनियर कैटेगरी (75 किलो भारवर्ग) में रजत पदक प्राप्त किया। शशांक ने जूनियर वर्ग (56 किलो भारवर्ग) में सिल्वर मेडल जीता। चैतन्य ने जूनियर वर्ग (82.5 किलो भारवर्ग) में सिल्वर मेडल हासिल किया।

अमित अंतिल ने मास्टर वर्ग (100 किलो भारवर्ग) में कांस्य पदक जीता। गुरु द्रोणाचार्य अवार्डी एवं फेडरेशन अध्यक्ष जुगल धवन की देखरेख में हुई स्पर्धा में इंग्लैंड से आए जीपीएस प्रेसिडेंट ली मार्शल विशेष रूप से मौजूद रहे। जुगल धवन ने विजेताओं को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। अनिशा राठी का उत्साह बढ़ाती शीला राठी। फोटो : हरिभूमि

पदक विजेता अनिशा राठी का किया स्वागत

बहादुरगढ़। सोनीपत में आयोजित बेंच प्रेस पावर लिफ्टिंग इंडिया कप में तीनों स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीतकर बहादुरगढ़ का नाम रोशन करने वाली अनिशा राठी का बहादुरगढ़ पहुंचने पर खेलप्रेमियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने भी अनिशा राठी का उत्साहवर्धन किया। बता दें कि अनिशा राठी ने स्क्वॉट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट में गोल्ड मेडल जीतकर बहादुरगढ़ का गौरव बढ़ाया। इनेलो युवा हलका महासचिव प्रवीन राठी की पुत्री अनिशा राठी को द्रोणाचार्य अवार्डी जुगल धवन द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि अनिशा राठी की यह उपलब्धि बेटियों की ताकत और आत्मविश्वास का प्रतीक है। खेल युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में युवा इनेलो नेता शेखर राठी, राहुल राठौर, अमित बरहाना, मनजीत राठी व तकदीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों ने दिखाया प्रतिभा का दम

- दोनों खिलाड़ियों को फाइनल में पहुंचने पर बधाई दी और फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। फाइनल में पहुंचे खिलाड़ियों के साथ मनमीत भाटिया।

शहर की एचएल सिटी में स्थित शाइनिंग स्टार बैडमिंटन अकादमी में चल रही 92वीं एसबीए राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप के सीनियर मेंस स्नूकर वर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन देखने को मिला। सेमीफाइनल में 28 बार के विश्व चैंपियन पद्म भूषण पंकज आडवाणी (पीएसपीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केतन चावला (मध्य प्रदेश) को 5–1 से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में आदित्य मेहता (पीएसपीबी) ने दमदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्मण रावत (पीएसपीबी) को 5–0 से हराया। रयान रज्मी ने ध्वज हरिया को 3–0 से हराया और सौरव कोठारी ने मलकीत सिंह को 3–1 से हराया। मलकीत सिंह ने ध्वज हरिया को 3–1 से हराकर 7वां स्थान प्राप्त किया और ध्वज 8वें स्थान पर रहे। रयान रज्मी ने सौरव कोठारी को हराकर 5वां स्थान प्राप्त किया और सौरव 6वें स्थान पर रहे। इस मौके पर टूर्नामेंट डायरेक्टर मनमीत भाटिया ने दोनों खिलाड़ियों को फाइनल में पहुंचने पर बधाई दी और फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनाएं दी।

स्कॉलरशिप परीक्षा में 3247 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, मेधावी विद्यार्थियों को मिले पुरस्कार

- परीक्षा के बाद मेधावी विद्यार्थियों को नकद प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। स्कॉलरशिप परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए डॉक्टर महिपाल। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम स्कॉलरशिप यूनिवर्स 3.0 के मुख्य चरण में रविवार को क्षेत्र के 3247 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के बाद मेधावी विद्यार्थियों को नकद प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन अलग-अलग विंग्स में किया गया। जिसमें बोर्ड और बुनियादी कक्षाओं के विद्यार्थियों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा दिखी। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक की विंग में 650 विद्यार्थी, तीसरी से पांचवीं तक की विंग में 780, छठी से आठवीं तक के वर्ग में 840, नौवीं से दसवीं तक के वर्ग में 610 तथा ग्यारहवीं से बारहवीं कक्षा तक के वर्ग में 367 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान अपने संबोधन में संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल सिंह ने कहा कि स्कॉलरशिप परीक्षा के परिणाम आगामी 31 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

वार्षिक महोत्सव में पुरस्कृत किया जाएगा

इस परीक्षा के विजेताओं को आठ फरवरी को स्कूल के वार्षिक महोत्सव में पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान चेयरमैन डॉक्टर महिपाल द्वारा बीती 11 जनवरी को चरखी दादरी, साल्हावास और रोहतक के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में शामिल 634 विद्यार्थियों में से विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। उधर, संस्कारम् इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में प्रातः दस से बारह बजे तक आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भी 1228 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी को गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव कबलाना में रिटायर्ड पुलिसकर्मी को गोली मारने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाना सदर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि गांव कबलाना निवासी जगजीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 11 जनवरी की शाम वह अपने प्लांट से घर खाना खाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार गाड़ी उसके पास आकर रुकी, जिसमें से गांव का ही निवासी जगवेंदर बाहर निकला और अपने हाथ में लिए हथियार से उस पर गोली चला दी। जो उसकी पीठ में लगी थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए टीम द्वारा आरोपी जगवेंदर निवासी कबलाना को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के बजेंगे बाजे, ब्रिटेन टूटने के कागार पर: बाबा रामदेव

- बच्चों और युवाओं को नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते हुए बाबा रामदेव। फोटो : हरिभूमि

रविवार को क्षेत्र के गांव डावला में आयोजित स्वर्गीय रामचंद्र पहलवान की श्रद्धांजलि सभा में योग गुरु बाबा रामदेव ने शिरकत की। जहां उन्होंने हवन में भाग लिया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थाना की। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को मोबाइल की लत और नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि आज का युवा मोबाइल और नशे की गिरफ्त में फंसता जा रहा है। जिससे उसका भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने बच्चों और युवाओं को नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। बाद में मीडिया से रूबरू होते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि आज ब्रिटेन टूटने के कगार पर खड़ा है और यदि ब्रिटेन टूटा तो वह तीन देशों में बंट जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की राजनीति एक नए दौर से गुजरने जा रही है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर तीखा बयान देते हुए कहा कि जो बोलता है, ट्रंप उसे ठोकता है,लेकिन हम उससे दबने वाले नहीं हैं। आने वाले कुछ समय बाद डोनाल्ड ट्रंप के भी बाजे बजेंगे। उन्होंने दावा किया कि भविष्य की वैश्विक राजनीति का नेतृत्व भारत, रूस और चीन जैसे देश करेंगे और दुनिया की शक्ति संतुलन की दिशा बदलेगी। इस दौरान महंत बाबा बालक नाथ भी मौजूद रहे।

कोहरे की चादर से लिपटा शहर

जनजीवन अस्त-व्यस्त, वाहन चालक परेशान

झज्जर। रविवार एक बार फिर घने कोहरे की चादर से शहर लिपटा रहा। स्थिति यह रही कि बाहरी क्षेत्रों में दृश्यता ना के बराबर रही। जिसके कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा और सड़कों पर वाहन रेंगते हुए दिखाई दिए। घने कोहरे के कारण जन जीवन भी प्रभावित रहा। लोगों को अपने रोजमर्रा के कार्य निपटाने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। करीब दोपहर आसमान में हल्की धूप निकली, लेकिन सर्दी से फिर भी राहत नहीं मिली। रविवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी ठंड से कोई राहत नहीं मिलने का अनुमान लगा रहे है। वहीं यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे जरूरत पड़ने पर ही यात्रा करें, गति सीमित रखें और फॉग लाइट का प्रयोग जरूर करें।

झज्जर। घने कोहरे के बीच गुजरते हुए वाहन।

इनेलो का युवा सम्मेलन आज

झज्जर। कस्बा बेरी के खेल स्टेडियम में इनेलो द्वारा सोमवार को युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इनेलो युवा जिलाध्यक्ष अमरजीत कादियान ने बताया कि सम्मेलन में सिरसा जिला परिषद के अध्यक्ष करण सिंह चौटाला कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में जिलेभर से युवा शिरकत करेंगे और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

सील की गई गिरवी संपत्ति में अवैध प्रवेश का आरोप

बहादुरगढ़। चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड ने थाना लाइनपार बहादुरगढ़ में शिकायत देकर गिरवी रखी व न्यायालय के आदेश से सील की गई संपत्ति में अवैध रूप से ताले तोड़कर प्रवेश करने और कब्जा करने का आरोप लगाया है। कंपनी द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, संदीप सिंह, अंजू रानी और चत्तर सिंह आदि ने 30 अप्रैल 2024 को चोलामंडलम फाइनेंस से 53.90 लाख रुपये का ऋण लिया था। ऋण के बदले 158 वर्ग गज की संपत्ति को गिरवी रखा गया था। किश्तों का भुगतान समय पर न होने पर कंपनी ने कानूनी कार्रवाई शुरू की। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट झज्जर द्वारा 23 सितंबर 2025 को आदेश पारित कर संपत्ति का भौतिक कब्जा चोलामंडलम फाइनेंस को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। इसके अनुपालन में 13 नवंबर 2025 को रिसीवर अधिवक्ता दीपक कुमार ने पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में संपत्ति का कब्जा लेकर ताले लगाकर सील किया गया था। जिसकी पंचनामा व डीडीआर भी दर्ज की गई। लेकिन 10 दिसंबर 2025 की शाम को संदीप सिंह व अन्य लोगों ने 10–15 असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर ताले व सील तोड़ दी और अवैध रूप से संपत्ति में प्रवेश कर कब्जा कर लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

कम पानी पीने से पड़ सकते हैं बीमार, प्रतिदिन आठ से दस गिलास गुनगुना पानी पीएं

सर्दी के मौसम में शरीर में बढ़ जाती है पानी की जरूरत

- नागरिक अस्पताल हो या फिर निजी अस्पताल यहां तक कि छोटे क्लीनिकों में भी खांसी, जुखाम, बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सर्दियों में बुखार या अन्य बीमारियों से पीड़ित होने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसलिए शरीर में पानी की जरूरत बढ़ जाती है। जिसके चलते चिकित्सक संतुलित आहार के सेवन करने के साथ-साथ प्रतिदिन आठ से दस गिलास गुनगुना पानी पीने की सलाह दे रहे है। नागरिक अस्पताल हो या फिर निजी अस्पताल यहां तक कि छोटे क्लीनिकों में भी खांसी, जुखाम, बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ रही है। सरोज देवी ने बताया कि वह अपने रूटीन के कार्यों में लगी हुई थी। कोई खास परेशानी भी नहीं थी। लेकिन एकाएक पेट में दर्द और मांसपेशियों में खिंचाव होने लगा। जिसके चलते यहां उपचार करवाया है, चिकित्सकों ने अधिक से अधिक मात्रा में पानी का सेवन करने का सुझाव दिया है। वहीं एक अन्य सुरेश ने बताया कि पिछले कई दिनों से शरीर में थकान और सिर में दर्द महसूस हो रहा था। पहले तो घरेलू नुस्खों का ही प्रयोग किया। लेकिन ज्यादा आराम नहीं हुआ। बाद में डॉक्टर से उपचार करवाया तो पता चला कि शरीर में पानी की कमी के कारण दिक्कत हुई है। वहीं एमडी एवं फिजीशियन डॉक्टर मोनिल कादियान ने बताया कि पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है, इसके साथ ही डिटॉक्स करने का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है। स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन आठ से दस गिलास पानी जरूर पीना चाहिए।

मोनिल कादियान, एमडी एवं फिजीशियन।

शरीर में पानी की कमी से ये हो सकती है दिक्कत

एसिडिटी	ये बरते सावधानियां
पेट में जलन व दर्द होना।	ठंडे पानी की जगह गुनगुने पानी का प्रयोग करें।
त्वचा रूखी हो जाना।	प्यास नहीं लगने पर भी थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।
किडनी में परेशानी।	बाहर जाते समय पानी की बोतल अपने साथ रखें।
सिर में दर्द होना।	संतुलित आहार का सेवन करें।
डिहाइड्रेशन होना।	तली हुई चीजों का परहेज करें।
थकान महसूस होना।	
मुंह का बार-बार सूखना।	
बुखार होना।	
चक्कर आना।	